

सधवा स्त्री. (तत्.) जिसका पति जीवित हो, सौभाग्यवती, सुहागिन।

सधाव पुं. (देश.) सधा हुआ होना या साधा हुआ होना उदा. नृत्य में चरणों का सधाव, गायन में स्वरों का सधाव।

सधावर पुं. (देश.) सातवें महीने में गर्भवती स्त्री को दिया जाने वाला उपहार, आहार आदि।

सधिया पुं. (देश.) वृषभ या बैल आदि जिसे साध लिया गया हो, जिसे आदेश के अनुसार काम करना सिखाया हो।

सधौर पुं. (देश.) दे. सधावर।

सधीची स्त्री. (तत्.) सखी, सहेली।

सनंक पुं. (देश.) सन्नाटा।

सनंद पुं. (तत्.) दे. सनंदन।

सनंदन पुं. (तत्.) ब्रह्मा के चार मानसपुत्रों में से एक, ये सदा अवस्था और रूप में कुमारवत् ही दिखते थे और ब्रह्मचारी, तत्त्वज्ञानी, योगवेत्ता, धर्मशास्त्र, चिरंजीवी और राग-द्वेषहीन कहे जाते हैं।

सन पुं. (तत्.) 1. पाटलि वृक्ष, एक पौधा जिसकी छाल के रेशों से रसियाँ, टोर, बोरे इत्यादि बनाए जाते हैं, पटसन, जूट 2. पटस, अवधी भाषा में 'से', 'साथ', 'ओर' 'तरक' 3. हवा चलने या बाण आदि चलने की ध्वनि, सन-सन, सन सनाहट, तलवारों के चलने की आवाज **वि. स्तब्ध पुं.** (तत्.) 1. लाभ 2. प्राप्ति 3. आहार 4. हाथी का कान फटफटाना।

सनक स्त्री. (देश.) 1. धुन, झोंक, दीवानगी, पागलपन, झक, पागलों की सी धुन, प्रवृत्ति या आचरण, किसी बात की अत्यधिक धुन, खब्त 2. ब्रह्मा के चार मानसपुत्रों में से एक।

सनकना अ.क्रि. (देश.) 1. पागलों की तरह बातें करना, कुछ-कुछ पागल सा हो जाना, झक्की होना, उन्मत्त, पगलाना 2. सन-सन शब्द करते हुए उड़ना/जाना/दौड़ना।

सनकी वि. (देश.) जिसे किसी प्रकार की सनक या धुन हो, धुनी, कुछ-कुछ पागल जैसा, खबती, झक्की, सिड़ी।

सनत् पुं. (तत्.) ब्रह्मा, सदा, सनातन।

सनत्कुमार पुं. (तत्.) 1. ब्रह्मा के चार मानस पुत्रों में से एक 2. वैधात्र 3. जैनियों के बारह चक्रवर्तियों में से एक, यौवन की- सी अवस्था बनाए रखने वाला संत।

सनत्सुजान पुं. (तत्.) ब्रह्मा के मानस पुत्र।

सनद स्त्री. (अर.) 1. प्रामाणिक कथन, सबूत, प्रमाण, दलील, सर्टिफिकेट, अनुमति-पत्र, तमस्सुक, किबाला, काजी या मुफ्ती की वह मुहर, प्रमाण-पत्र 2. उपाधि, डिग्री 3. पीठ टेकने के लिए बना तकिया, तकिया गाह।

सनदयाफता वि. (अर.+फा.) जिसे प्रमाणपत्र मिला हो, प्रमाणपत्र प्राप्त, उपाधिप्राप्त, जिसके पास सनद हो।

सनदी वि. (अर.) 1. जिसे प्रमाण पत्र प्राप्त हो, प्रमाण पत्र-संबंधी, प्रमाणपत्र का 2. प्रामाणिक; प्रामाणित, सनदयाफता 3. हाल, वृत्तांत।

सनना अ.क्रि. (तत्.) 1. जल, दूध या घी आदि मिलाकर आटा/चूर्ण आदि का गीला किया जाना 2. ओत-प्रोत होना 3. लथपथ होना 4. लीन होना 5. लिप्त होना, सम्मिलित होना 6. मग्न होना, प्राप्त होना, मिलना।

सननी स्त्री. (देश.) पानी में साना हुआ भूसा, पशुओं के लिए सानी।

सनबंध पुं. (देश.) 1. सन के रस्से आदि से बँधा या बाँधा हुआ 2. संबंध।

सनम पुं. (अर.) 1. परमात्मा या इष्ट देव की मूर्ति, देव प्रतिमा, बुत 2. प्रियतम, प्रेमी, पति, प्रियतम, प्रिया, प्रेमिका, पत्नी, माशूक/माशूका।

सनमकदा पुं. (अर.) 1. सनमखाना, मूर्तिगृह, मंदिर, बुतखाना 2. प्रेमी/प्रेमिका, माशूक/माशूका का घर या निवास-स्थान।